Self Respect

28-06-2014

✓लक्ष्मी- नारायण के मन्दिर में जाते हैं, आगे तो जरा भी ज्ञान नहीं था । देखते थे यह तो सर्वगुण सम्पन्न हैं, गोरे हैं, हम तो काले भूत हैं। परन्तु ज्ञान नहीं था । अभी तो लक्ष्मी-नारायण के मन्दिर में जायेंगे तो समझेंगे हम तो पहले ऐसे सर्वगुण सम्पन्न थे, अभी काले पतित बन गये हैं ।

✓ऐसा लक्ष्मी-नारायण बनना कोई मासी का घर नहीं है । अभी तुम समझते हो हम इन जैसा बन रहे हैं । आत्मा पवित्र बनकर ही जायेगी । फिर देवी-देवता कहलायेंगे । हम ऐसे स्वर्ग के मालिक बनते हैं ।

✓आजकल तो लक्ष्मी-नारायण के मन्दिर में, शिव के मन्दिर में शादियां होती हैं । पतित बनने के लिए कगन बांधते हैं । अभी तुम गोरा बनने के लिए कगन बांधते हो इसलिए गोरा बनाने वाले शिवबाबा को याद करते हो । जानते हो इस रथ के भ्रकुटी के बीच शिवबाबा है, वह एवर-प्योर है । उनकी यही आश रहती है कि बच्चे भी प्योर गोरा बन जायें । मामेकम् याद कर प्योर हो जायें । आत्मा को याद करना है बाप को । बाप भी बच्चों को देख-देख हर्षित होते हैं । तुम बच्चे भी बाप को देख-देख समझते हो पवित्र बन जायें । तो फिर हम ऐसे लक्ष्मी-नारायण बनेंगे।

✓जब तक भगवान् की श्रीमत न लेवे, कुछ भी समझ न सके । तुम बच्चे अब श्रीमत ले रहे हो । यह अच्छी रीति बुद्धि में रखो कि हम शिवबाबा की मत पर बाबा को याद करते-करते यह बन रहे हैं । याद से ही पाप भस्म होंगे, और कोई उपाय नहीं । लक्ष्मी-नारायण तो गोरे हैं ना । मन्दिरो में फिर सांवरे बना रखे हैं

✓अभी तुम बच्चों का यह टाइम मोस्ट वैल्युबुल है । पुरूषार्थ करना चाहिए पूरा, हमको ऐसा बनना है । जरूर बाप ने कहा है सिर्फ मुझे याद करो और दैवीगुण भी धारण करने हैं । किसको भी दु :ख नहीं देना है ।

- ✓तुमने प्रतिज्ञा की थी हम आप पर वारी जायेंगे । जन्म-जन्मान्तर प्रतिज्ञा करते आये हो-बाबा, आप आएँगे तो हम आपकी मत पर ही चलेंगे, पावन बन देवता बन जायेंगे ।
- ✓बाप कहते हैं नाम- रूप में नहीं फँसो । मेरे में फंसो ना । जैसे तुम निराकार हो, मैं भी निराकार हूँ । तुमको आप समान बनाता हूँ । टीचर आप समान बनायेंगे ना । सर्जन, सर्जन बनायेंगे ।
- ✓आत्मा को बहुत प्योर बनना है । तुम्हारी एम ऑबजेक्ट क्लीयर है । और सतसंगो में ऐसे कभी नहीं कहेंगे । बाप समझाते हैं, तुम्हारा उद्देश्य है यह बनने का ।

✓पहले- पहले भारत में सिर्फ हमारा ही राज्य था । तुम ऐसे कहेंगे । तुम्हारे में भी कोई हैं जिनको याद रहता है हम अपना राज्य स्थापन कर रहे हैं । हम रूहानी वारियर्स योगबल वाले हैं । यह भी भूल जाते हैं । हम माया से लड़ाई करने वाले हैं । अब यह राजधानी स्थापन हो रही है । जितना बाप को याद करेंगे उतना विजयी बनेंगे । एम ऑबजेक्ट है ही ऐसा बनने के लिए । इन द्वारा बाबा हमको यह देवता बनाते हैं । तो फिर क्या करना चाहिए? बाप को याद करना चाहिए । यह तो हुआ दलाल । गायन भी है जब सतगुरु मिला दलाल के रूप में । बाबा यह शरीर लेते हैं तो यह बीच में दलाल हुआ ना ।

✓बाप कहते हैं अब टाइम बहुत थोड़ा रहा है । इन आँखों से तुम विनाश देखेंगे । जब रिहर्सल होगी तो तुम देखेंगे ऐसा विनाश होगा । इन आँखों से भी बहुत देखेंगे । बहुतों को वैकुण्ठ का भी साक्षात्कार होगा । यह सब जल्दी-जल्दी होते रहेंगे । ज्ञान मार्ग में सब है रीयल, भक्ति में है इमीटेशन । सिर्फ साक्षात्कार किया, बना थोड़ेही । तुम तो बनते हो । जो साक्षात्कार किया है फिर इन आँखों से देखेंगे ।

✓सोच-समझकर हर कर्म करने वाले पश्चाताप से मुक्त ज्ञानी तू आत्मा भव

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग । रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।